मॉड्यूल 7: सामाजिक व्यवहार परिवर्तन–बाल संरक्षण

सत्र 1: गतिविधि से सीख

अवधि: 1:45 मिनट

गतिविधि 1.1 में हमने देखा कि सबसे भीतरी सर्कल में एक किशोर लड़की शामिल है।

दूसरे घेरे में उसके परिवार के तत्काल सदस्य और वे लोग शामिल हैं जिनके साथ वह दिन–प्रतिदिन बातचीत करती है जैसे माता पिता दादी दादा भाई, बहन, सहेली आदि।

तीसरे घेरे में रिश्तेदार, पड़ोसी,या समुदाय के सदस्य शामिल हैं।

चौथे घेरे में किशोरियों के लिए काम करने वाले सेवा प्रदाता और संगठन शामिल हैं जैसे स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास विभाग आदि।

पांचवां घेरा उन हितधारकों का प्रतिनिधित्व करता है जो किशोरियों के लिए नीतियां और कार्यक्रम तैयार करते हैं और उन्हें प्रभावित करते हैं।

गतिविधि से पता चलता है कि सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन सभी स्तरों द्वारा प्रदान किए गए सहायक वातावरण का परिणाम है जो किसी व्यक्ति को न केवल स्वस्थ व्यवहार अपनाने में मदद करता है बल्कि उन्हें बनाए भी रखता है। यह एसईएम पर आधारित है।

एसईएम के हर स्तर पर विभिन्न प्रकार के संचार की आवश्यकता होती है।

उदाहरण के लिए, व्यक्तिगत स्तर पर संचार का प्रकार आईपीसी या पारस्परिक संचार

होगा।

एसईएम के पारस्परिक स्तर पर, यह आईपीसी और अंतर–पीढ़ीगत संचार होगा।

सामुदायिक स्तर पर समूह संचार किया जाता है।

संगठन स्तर पर सेवा प्रदाताओं का क्षमता निर्माण किया जाता है।

अंत में, नीति स्तर पर, एडवोकेसी की जाती है।

मुख्य संदेश

एक मानदंड में परिवर्तन लाने के लिए, उदाहरण के लिए बाल विवाह के मामले में, स्थायी व्यवहार परिवर्तन के लिए समुदायों से संपर्क किया जाना चाहिए।

यह तभी संभव है जब सभी स्तरों द्वारा सहायक और सक्षम वातावरण प्रदान किया जाए।